

## छत्तीसगढ़ में नक्सलियों की मुठभेड़

### चर्चा में क्यों

हाल ही में छत्तीसगढ़ के नारायणपुर ज़िले में सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में छह नक्सली मारे गए।

- इस अभियान का लक्ष्य कुतुल-फरसबेड़ा और कोडतामेटा गाँवों के निकट वनों में नक्सलियों को नशाना बनाना था।

### मुख्य बिंदु:

- वे नक्सली पीपुल्स लबरेशन गुरलिला आर्मी (PLGA) के सदस्य थे।
  - PLGA भारत में प्रतर्बिधति राजनीतिक संगठन भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की सशस्त्र शाखा के रूप में कार्य करता है
  - यह समूह लंबे समय तक चलने वाले जनयुद्ध के माध्यम से सरकार को उखाड़ फेंकना चाहता है।
- यह एक सप्ताह के भीतर नारायणपुर पुलिस द्वारा “माड बचाओ अभियान” (नक्सल वरिधी अभियान) की दूसरी बड़ी सफलता है।
- इस अभियान से अबुझमाड क्षेत्र में हिसा और भय को कम करने में सहायता मिली है, जो 40 वर्षों से नक्सल हिसा से प्रभावित था।
- इस अभियान में राज्य पुलिस के ज़िला रज़िर्व गार्ड, विशेष कार्य बल (STF), भारत-तबिबत सीमा पुलिस और सीमा सुरक्षा बल के जवान शामिल थे।
- इस ऑपरेशन में महिला कमांडो ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

### रेड कॉरडोर

- रेड कॉरडोर/लाल गलियारा भारत के मध्य, पूर्वी और दक्षिणी भागों का वह क्षेत्र है जहाँ गंभीर नक्सलवादी-माओवादी विद्रोह का प्रभाव है।
- छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल राज्य वामपंथी उग्रवाद (LWE) से प्रभावित माने जाते हैं।

### सीमा सुरक्षा बल (Border Security Force- BSF)

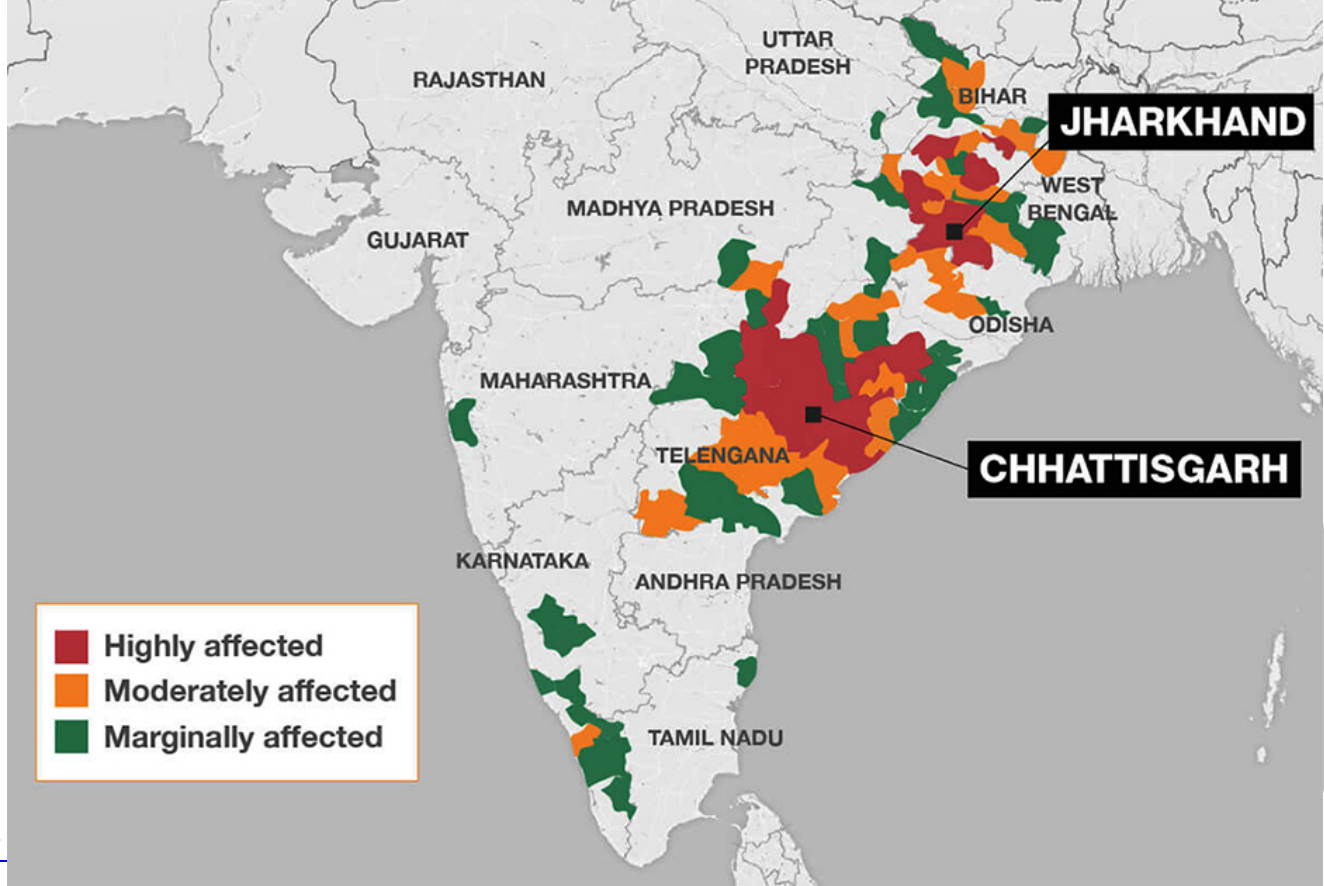
- BSF का उद्देश्य अपने पड़ोसी देशों के साथ भारत की सीमाओं को सुरक्षित करना है और इसे कई कानूनों के तहत गरिफ्तार करने, तलाशी लेने तथा ज़ब्त करने का अधिकार है। जैसे कि [दंड प्रक्रिया संहिता \(CrPC\), 1973](#), पासपोर्ट अधिनियम 1967, [पासपोर्ट \(भारत में प्रवेश\) अधिनियम 1920](#) और [नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस \(NDPS\) अधिनियम, 1985](#) आदि।

### भारत-तबिबत सीमा पुलिस (Indo-Tibetan Border Police- ITBP)

- ITBP की स्थापना 24 अक्टूबर, 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान की गई थी और यह एक सीमा रक्षक पुलिस बल है, जिसकी शुरुआत भारत-चीन सीमा पर तैनाती के लिये की गई थी।
- ITBP को प्रारंभ में ‘केंद्रीय रज़िर्व पुलिस बल’ (CRPF) अधिनियम, 1949 के तहत स्थापित किया गया था। हालाँकि वर्ष 1992 में संसद ने ITBP अधिनियम लागू किया और वर्ष 1994 में इसके संबंध में नयिम बनाए गए।

# A map of India's Maoist conflict

A crackdown on Maoist rebels has led to a rise in the number of casualties in the country's tribal areas. Here are the regions that are most affected.



//